विभिन्न स्तरों पर अर्थशास्त्र में पाठ्यचर्या की रूपरेखा
(OUTLINE SYLLABUS OF ECONOMICS AT DIFFERENT STAGES)

जूनियर स्तर—इस स्तर पर अर्थशास्त्र एक पृथक् विषय नहीं है, वरन् इसके आधारभूत सिद्धान्त सामाजिक अध्ययन नामक विषय के अन्तर्गत पढ़ाये जाने चाहिए। इन आधारभूत सिद्धान्तों के ज्ञान के अभाव में बालक उच्च स्तर की सामग्री को नहीं समझ पायेगा। इस स्तर के अन्तर्गत कक्षा 6, 7 तथा 8 आती हैं। इसके लिए निम्नलिखित प्रकरणों को निर्धारित किया जा सकता है—

1. स्थानीय आर्थिक समस्याओं का व्यावहारिक ज्ञान।
2. प्रदेशीय एवं राष्ट्रीय आर्थिक समस्याओं का संक्षिप्त परिचय।
3. कृषि में मशीनों का प्रयोग, खाद तथा विभिन्न फसलों का ज्ञान।
4. घरेलू उद्योग-धन्धे—उनका सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान।
5. श्रमिकों की समस्याओं का प्रारम्भिक ज्ञान।

Scanned with CamScanner

6. सहकारी क्रियाएँ—सहकारी दुकान, बैंक आदि का संचालन।

7. डाक-व्यवस्था का ज्ञान।

8. मनोरंजन के साधनों का महत्त्व।

9. प्रायोगिक कार्य—वन महोत्सव, कृषि-कार्य आदि।

10. आवागमन के साधनों की जानकारी।

हाईस्कूल स्तर—इस स्तर पर पाठ्यक्रम को दो प्रश्न-पत्रों में बाँटा जा सकता है। उ अन्तर्गत निम्नांकित प्रकरणों को रखा जा सकता है—

प्रथम प्रश्न-पत्र

1. अर्थशास्त्र—अर्थ-विभाग, विषय-विस्तार तथा महत्त्व।

2. अर्थशास्त्र के महत्त्वपूर्ण पदों (Terms) की परिभाषाएँ—उपयोगिता, अर्थ (Value), मू (Price), धन, आय आदि।

3. उत्पत्ति के साधन—भूमि, श्रम, पूँजी, संगठन तथा साहस। इन साधनों का कृषि एवं उ में महत्त्व।

4. अदल-बदल (Barter)—क्रय-विक्रय, बाजार।

5. आवश्यकताएँ—अर्थ एवं उनका वर्गीकरण।

6. पारिवारिक बजट।

7. घरेलू उद्योग-धन्धे।

8. श्रम तथा श्रमिकों की समस्याएँ।

9. कृषि की आय का वितरण।

10. बँटाई-प्रथा तथा उसके दोष।

11. ग्रामीण समस्याएँ—भूमि, भोजन, आवागमन, स्वास्थ्य, सफाई, शिक्षा, मनोरंजन, पशुपा ऋण आदि की समस्याएँ।

12. ग्राम तथा जिले का शासन—ग्राम-पंचायत का महत्त्व।

13. सहकारी आन्दोलन।

14. व्यावहारिक कार्य—ग्राम-पंचायतों का निरीक्षण, बाजारों तथा श्रमिकों की बस्तियों दशाओं का निरीक्षण। घरेलू उद्योग-धन्धों तथा सहकारी क्रियाओं का स्कूल में संचालन, ब बजट का निर्माण।

द्वितीय प्रश्न-पत्र

1. आर्थिक भूगोल—अर्थ, महत्त्व तथा क्षेत्र।

2. मनुष्य तथा उसका वातावरण—भौतिक वातावरण तथा उसका आर्थिक जीवन पर प्र

3. भारत की प्राकृतिक दशा—मिट्टी तथा उसकी बनावट, वर्गीकरण आदि। जलवायु, ति के साधन एवं उनकी आवश्यकता। वर्षा तथा उसका वितरण।

4. भारत की प्रमुख फसलें—खाद्य फसलें, पेय फसलें तथा अन्य फसलें।

5. भारत की पशु-सम्पत्ति।

6. भारत के खनिज पदार्थ।

Scanned with CamScanner

7. वन सम्पत्ति।

8. शक्ति के साधन—मानव, पशु, हवा, लकड़ी, कोयला, तेल, पानी।

9. उद्योग-धन्धों का स्थानीयकरण।

10. जनसंख्या—महत्त्व तथा उसका वितरण।

11. यातायात एवं सन्देशवाहन के साधन—सड़कें, रेलें, नदियाँ, समुद्री यातायात, वायु यातायात, डाक, तार, टेलीफोन तथा बेतार का तार (Wireless)।

12. प्रसिद्ध भारतीय नगर, बन्दरगाह एवं हवाई अड्डे—इनका विकास एवं महत्त्व।

13. व्यावहारिक कार्य—मानचित्रों तथा चार्टों का निर्माण, विभिन्न उद्योगों, बाँधों, बिजलीघरों एवं प्राकृतिक साधनों का निरीक्षण, यातायात एवं सन्देशवाहन के साधनों का छात्रों द्वारा उपयोग तथा उनकी कार्य-प्रणाली का उनके सम्मुख प्रदर्शन।

Scanned with CamScanner